हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न पत्र–कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)

Time Allowed : Three Hours **Maximum marks : 100**

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये।

(क) तुम सरकारी और सामाजिक सहायता की बात करते हो। सच्चाई तो यह है कि अपंगों से उनके घर वाले, पति–पत्नी बच्चे दूर हो जाते हैं। पास रहकर भी दूर हो जाते हैं। पैसा कमाना जो उसके लिए मुश्किल हो जाता है। दूसरें को जो उसकी सेवा करनी पड़ती है और सच तो यह है शर्मा, कि मात्र हाथ अथवा पैर कटने से ही वह व्यक्ति दुनिया से कटने लगता है। वह भी आदमी है–लोग भूल जाते हैं। 10

अथवा

कोई भी चीज अपने छोटे रूप में जितनी अच्छी लगती है, उतनी ही अपने वृहद रूप में नहीं। बड़े होने पर उसकी कोमलता जाती रहती है। संस्था को छोटे आकार में हम हर तरफ से देख पा रहे हैं। इतनी सतर्कता के बावजूद कोई–न–कोई बात उठ खड़ी होती है, जो संस्था के विकास के हित में नहीं। इसको बहुत बढा बनाकर ढेर सारे व्यवस्थापकों को संभालना उनकी आंखों में भी अपनी दृष्टि डालना आसान तो नहीं। सहायता कार्य के नाम पर अपने देश में संस्थाओं की कमी नहीं, लेकिन क्या रोगियों और अवसरवादियों की उचित सहायता हो पा रही है। 10

(ख) घर का घर तबाह हो जाये, आदमी की जिन्दगी तबाह हो जाये पर यह जालिम तरस नहीं खाती। कैसा मूर्ख होता है आदमी भी, वह समझता है वह इसे पी रहा है, पर असल में वह आदमी को पीती है, आदम की जान को, आदमी के खून को पीती है .... उसके ईमान को पीती है, हाँ हाँ। यों ही

questionpaperesult.com

Scanned by CamScanner

बकता–बकता खाली, बोतल का मुद्‌गर घुमाता शंकर रसोई के दरवाजे पर पहुंच गया– "देखा, यह खाली हो गयी? और बोतल को उल्टी करते हुए बोला–एक दम खाली।" 10

अथवा

राज की अमलदारी बदल गयी है और लोगों की निगाहें भी फिर गयी हैं। शहर बड़े से और बड़े हो गये हैं और वहाँ उँची–उँची हवेलियां खड़ी हो जाती हैं कि उनकी ओर देखा नहीं जाता है। कल–कारखाने और पुतलीघर खड़े हो गये हैं। बाइसिकलें और मोटरें आ गयी हैं। इनसे जिन्दगी तेज पड़ गयी है और खुशहाली की जगह बेचारगी फैल रही है। हरियानें के बैल खूबसूरत तो अब भी मालूम होते हैं और उन्हें देखकर खुशी भी होती है, लेकिन अब उनकी उतनी मांग नहीं हैं। 10

(ग) नाम सन्तान से नहीं चलता। नाम अपनी सुकृति से चलता है। तुलसीदास को देश का बच्चा–बच्चा जानता है। सूरदास को मरे कितने दिन हो गये। इसी प्रकार कितने महात्मा हो गये हैं। उन सबका नाम क्या उनकी सन्तान ही की बदौलत चल रहा है? सच पूछो, तो सन्तान से जितनी नाम चलने की आशा रहती है। उतनी ही नाम डूब जाने की संभावना रहती है, परन्तु सुकृति एक ऐसी वस्तु है, जिससे नाम बढ़ने के सिवा घटने की आंशका रहती ही नहीं। 10

अथवा

मेरे इस प्रश्न पर वह विचार मग्न हो गयी। कोई जवाब नहीं दिया। उसकी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर मैं वहां से उठ खड़ा हुआ–ठीक है अपना दु:ख–दर्द आपको बताना मेरा फर्ज था। आपसे मदद की गुहार करना लाजमी था। कह–सुन दिया–आप मेरी मदद करोगे तो अच्छा, नहीं करें तो अच्छा है। हाँ, इतना बताये देता हूँ, जब तक मेरे कम में दम है, मैं अपने खेत में इस जालिम द्वारा बोवनी करना तो दूर उसकी छाँह तक नहीं पडने दूंगा। मेरी लाश गिरने पर ही यह मेरे खेत में बोवनी कर सकेगा। 10

2. "ज्यों मेंहदी के रंग" उपन्यास की मूल संवेदना पर प्रकाश डालते हुए, इसके कथानक की विशेषताओं का विवेचन कीजिये। 15

अथवा

"ज्यों मेंहदी के रंग" उपन्यास में व्यक्त मूल समस्या पर प्रकाश डालते हुए, इसके नामकरण की सार्थकता पर अपने विचार व्यक्त कीजिये। 15

3. कहानी के तत्वों के आधार पर "पुरस्कार" कहानी की समीक्षा कीजिये। 15

अथवा

"पूस की रात" कहानी के उद्‌देश्य पर प्रकाश डालते हुए सिद्ध कीजिये कि यह एक परिवेश प्रधान कहानी है। 15

4. जैनेन्द्र जी की कहानी कला का संक्षिप्त परिचय देते हुए "जगार" कहानी की कथावस्तु का विवेचन कीजिये। 15

अथवा

questionpaperresult.com

Scanned by CamScanner

"खोई हुई दिशाएं" कहानी में महानगरीय जीवन की स्थितियों का चित्रण हुआ है।' इस कथन की समीक्षा कीजिये। 15

5. हिन्दी उपन्यास साहित्य के विकास क्रम पर एक सारगर्भित निबन्ध लिखिये। 13

अथवा

नयी कहानी की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। 13

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियां लिखिये:

(1) आंचलिक कहानी

(2) यथार्थवादी कहानियों की विशेषताएं

(3) मुंशी प्रेमचन्द की कहानी कला

(4) मनोवैज्ञानिक उपन्यास

(5) प्रेमचन्दोत्तर हिन्दी उपन्यास। 6 + 6

questionpaperesult.com

Scanned by CamScanner